माँ बाप सब तीर्थ

माँ बाप के चरणों में , बसे तीर्थ सारे है
वो सब कुछ पा जाते , जो इनके प्यारे है

चमड़ी उतार अपनी चाहे जूती बनवाये
इनके एहसानो का , बदला न चुका पाये
बहुतो ने सेवा कर , निज जन्म सुधारे है
वो सब कुछ पा जाते , जो इनके प्यारे है

कष्टों को सह कर भी , ये बालक को पाले
खुद भूखे रहकर भी , उसके मुख डाले
राते काली कर के , बालक को दुलारे है
वो सब कुछ पा जाते , जो इनके प्यारे है

माँ बाप की कृपा से , ये मनुष्य जन्म मिला
इनकी गोदी में ही , जीवन का फूल खिला
दुख सह कर बालक की , तकदीर सवारे है
वो सब कुछ पा जाते , जो इनके प्यारे है

भूलन त्यागी कहता , कोई इन्हें सताओ ना
कर्मो से तुम अपने , दिल इनका दुखाओ ना
ये ईश्वर से बड़के , कहते गुणी सारे है
वो सब कुछ पा जाते , जो इनके प्यारे है

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12201/title/maa-baap-sab-tirth

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |